पाठ 10. साल शुरू हो (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में निर्णय-क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे महत्वपूर्ण मुद्दों को समझकर उनसे रचनात्मक रूप से निपटने में सक्षम हो सकें। भवानीप्रसाद मिश्र जी ने इस कविता में खुशियों का सागर उड़ेल दिया है। उन्होंने कविता के माध्यम से बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार दिया है। साल की शुरुआत कुछ इस प्रकार हो कि चारों ओर खुशियों का वातावरण हो, इसी तरह की भावनाएँ इस कविता में प्रकट की गई हैं।

अध्यापन संकेत

बच्चे मनमौज़ी होते हैं। उनकी कल्पनाशीलता को इस पाठ के माध्यम से विकसित करें। पर ध्यान रहे कि कक्षा में शोर की सीमा न टूटे। बच्चों से पूछें कि यदि उन्हें एक सप्ताह के लिए मनमौज़ी बना दिया जाए तो अपने लिए वे क्या दिनचर्या बनाएँगे। कुछ बच्चों की दिनचर्या में नकारात्मक सोच भी हो सकती है। वैसी परिस्थितियों में उस सोच के बारे में विशेष रूप से चर्चा करें ताकि उसके दुष्परिणामों के बारे में बच्चे ठीक से समझ सकें।